सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 45 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 20 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

इंसान को यह देखना चाहिए कि क्या है, यह नहीं कि उसके अनुसार क्या होना चाहिए।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

आईपीएल से पहले पंजाब-राजस्थान को... 7 | बंगाल में चुनावों की तेज हुई... 3 | भाजपा युवाओं के भविष्य के साथ... 2

ईरान युद्ध पर घिरते ट्रंप

परमाणु हमले तक पहुंची बात

» 200 बिलियन डॉलर की युद्ध फडिंग के प्रस्ताव पर कांग्रेस में उठे सवाल

» ईरान के कतर पर वार से उसका 20 अरब डॉलर का हुआ नुकसान

» होर्मुज में फंसे 11 भारतीय जहाज, तेल-गैस की नब्ज थमी तो दुनिया की सांस अटक जाएगी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस युद्ध के लिए मोटा बजट मांगने की तैयारी कर रहा है तो दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी ही पार्टी में घिरते दिख रहे हैं। उन पर आरोप लग रहे हैं कि उनके पास न तो युद्ध की स्पष्ट रणनीति है और न कोई तय समयसीमा।

यही वह सवाल है जो अब अमेरिकी राजनीति से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक गूंज रहा है कि क्या यह जंग दिशा में है या सिर्फ विस्तार में? ईरान के साथ चल रहा संघर्ष अब अपने स्वरूप और आकार दोनों में तेजी से बदल रहा है। जंग सीमित टकराव से निकलकर बहु आयामी हमलों में बदलती दिख रही है। समुद्र, आसमान और रणनीतिक ठिकाने सब निशाने पर हैं। ईरान लगातार आक्रामक रुख दिखा रहा है और उसके दावे भी उतने ही बड़े होते जा रहे हैं। ताजा दावा ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की ओर से आया है जिसमें कहा गया कि बीती रात समुद्री हमलों में 200 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए। ईरान के इस दावे से जंग की तीव्रता और सूचना युद्ध की आक्रामकता दोनों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

कतर को 20 अरब डालर का नुकसान

ईरान की ओर से रास लफ्फान औद्योगिक शहर पर किए गए हमले के नुकसान के बारे में कतर ने जानकारी दी। कतर के मंत्री साद शेरिदा अल-काबी ने बताया कि मिसाइल हमलों के कारण कतर की एलएनजी निर्यात क्षमता में 17 प्रतिशत की कमी आई और वार्षिक राजस्व में लगभग 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। मंत्री साद शेरिदा अल-काबी ने बताया कि हमारी उत्पादन फैसिलिटी को भारी नुकसान हुआ है। जिसकी मरम्मत में पांच साल तक का समय लगेगा और इसके चलते हमें दीर्घकालिक फोर्स मेज्योर घोषित करना पड़ेगा। कतर एनर्जी का अनुमान है कि बुधवार 18 मार्च 2026 और गुरुवार 19 मार्च 2026 की सुबह हुए मिसाइल हमलों के कारण उसके रास लफ्फान औद्योगिक शहर को हुए नुकसान से सालाना लगभग 20 अरब डॉलर का राजस्व नुकसान होगा और मरम्मत में पांच साल तक का समय लगेगा जिससे यूरोप और एशिया के बाजारों में आपूर्ति प्रभावित होगी।

होर्मुज में फंसे 11 भारतीय जहाज

होर्मुज जलडमरूमध्य आज तनाव की सबसे खतरनाक रेखा बन चुका है। भारत सरकार के मुताबिक इस समुद्री रास्ते में रुकावट के चलते कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी से लदे करीब 11 जहाज फंसे हुए हैं। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं बल्कि आने वाले आर्थिक भूचाल की चेतावनी है। अगर यह संकट लंबा खिंचता है तो असर सिर्फ तेल की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। पेट्रोल डीजल महंगा होगा रसोई गैस की कीमतें आम आदमी की कमर तोड़ देंगी और उद्योगों की लागत आसमान छूने लगेगी। हर फैक्ट्री, हर ट्रांसपोर्ट, हर घर सब इस आग की चपेट में आएंगे। इतिहास गवाह है कि जब-जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडराया है दुनिया की अर्थव्यवस्था हिल गई है।

नेतन्याहू ने मतभेद को नकारा

हालांकि, इजरायली पीएम नेतन्याहू ने ट्रंप के साथ चल रहे मतभेद वाली बात को नकार दिया और कहा कि इजरायल ने ईरान के गैस क्षेत्र पर आगे के हमलों से बचने के लिए ट्रंप के अनुरोध को मान लिया है।

गैस फील्ड पर हमले को लेकर ट्रंप नेतन्याहू में दरार

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच बड़ा मतभेद खुलकर सामने आए है। ईरान के साउथ पार्स गैस पर हुए हमले को लेकर ट्रंप ने कहा कि मैंने इजरायल से ऐसा न करने के लिए कहा था।

जयशंकर ने की इजरायल विदेश मंत्री के साथ बात

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार से अहम बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र में तेजी से बदलते हालात बढ़ते संघर्ष और उसके वैश्विक असर पर विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक बातचीत में मौजूदा सैन्य टकराव, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि वह किसी भी तरह के संघर्ष के विस्तार के खिलाफ है और कूटनीतिक समाधान को ही आगे बढ़ाने का पक्षधर है। साथ ही भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र में मौजूद भारतीय हितों को लेकर भी चिंता जताई गई।

हॉर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमला अस्वीकार्य : भारत

ईरान जंग के बीच हॉर्मुज स्ट्रेट में फंसी जहाजों के मुद्दों को लेकर भारत ने कड़ा रुख दिखाया है। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने सभी नाविकों की सुरक्षा, नेविगेशन की आजादी, समुद्री सुरक्षा और व्यापार व एनर्जी सप्लाई चेन को सुरक्षित रखने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। तीन भारतीय नाविकों सहित निर्दोष लोगों की जान जाने पर शोक व्यक्त करते हुए कहा बातचीत और कूटनीति के जरिए तनाव कम करें।

अमेरिका में बढ़ रही बेचैनी?

अमेरिका के भीतर ही इस युद्ध को लेकर बेचैनी बढ़ती जा रही है। 200 बिलियन डॉलर के युद्ध फंडिंग प्रस्ताव ने युनाइटेड स्टेट कांग्रेस में तीखी बहस छेड़ दी है। सवाल सिर्फ पैसे का नहीं है। बल्कि उस रणनीति का है जो अब तक साफ नहीं हो सकी है। सांसद यह जानना चाहते हैं कि आखिर इस जंग का लक्ष्य क्या है इसकी सीमा क्या है? और इसका अंत कब और कैसे होगा? इसी बीच इजरायल ने भी अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। इजरायल का कहना है कि जब तक ईरान में सत्ता परिवर्तन नहीं होता तब तक यह युद्ध जारी रहेगा। इस बयान ने साफ कर दिया है कि संघर्ष अब सिर्फ सैन्य टकराव नहीं बल्कि राजनीतिक और वैचारिक लड़ाई का रूप ले चुका है। कुल मिलाकर, एक तरफ मोर्चे पर हमले तेज हो रहे हैं तो दूसरी ओर सत्ता के गलियारों में सवाल और असहजता बढ़ रही है। जंग अब सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि दावों, आंकड़ों और रणनीतिक अस्पष्टता से भी लड़ी जा रही है। जहां हर पक्ष अपनी कहानी गढ़ रहा है।

मैंने ऐसा नहीं करने के लिए कहा था : ट्रंप

ईरान के साउथ पार्स गैस पर इजरायल द्वारा किए हमले के बाद ईरान भी खाड़ी देशों के ईंधन वाले जगहों को निशाना बना रहा है। इसको लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वह ईरान की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा संपत्ति मानी जाने वाली जगह पर इजरायल के हमले का समर्थन नहीं करते हैं। ट्रंप ने कहा कि मैंने इजरायल से ऐसा न करने के लिए कहा था।ओवल ऑफिस में जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ हुई बैठक के दौरान नेतन्याहू के फैसले के बारे में कहा, मैंने उनसे कहा, ऐसा मत करो। हमारा तालमेल बहुत अच्छा है। सब कुछ समन्वित है, लेकिन कभी-कभी वह कुछ ऐसा कर देते हैं जो मुझे पसंद नहीं आता। और अगर मुझे वह पसंद नहीं आता, तो हम अब ऐसा नहीं करते।

एक चूक और तबाही तय

मिडिल ईस्ट का तनाव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है जहां पारंपरिक युद्ध की सीमाएं टूटती दिख रही हैं। ईरान और इजरायल के बीच जारी टकराव अब उस स्तर पर जा खड़ा हुआ है जहां परमाणु विकल्प की फुसफुसाहट खुली चेतावनी में बदलती नजर आ रही है। लगातार बढ़ते हमले जवाबी कार्रवाई और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाने की होड़ ने हालात को बेहद अस्थिर बना दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब कूटनीति कमजोर पड़ती है और सैन्य दबाव चरम पर पहुंचता है तब परमाणु हथियारों की चर्चा सिर्फ इसके की रणनीति नहीं रह जाती वह वास्तविक खतरे का संकेत बन जाती है। इस बीच अमेरिका की भूमिका भी निर्णायक होती जा रही है जिससे यह संघर्ष क्षेत्रीय न रहकर वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। अगर हालात और बिगड़ते हैं तो एक गलत फैसला या तकनीकी चूक पूरी दुनिया को ऐसे युद्ध में झोंक सकती है जिसका कोई विजेता नहीं होगा। फिलहाल दुनिया सांस रोककर देख रही है क्योंकि अब यह जंग सिर्फ सीमाओं की नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की बन चुकी है।

भाजपा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है: अखिलेश

बोले सपा प्रमुख- सरकार के अंतिम साल में लाइन में लगकर दिखावा कर रहे स्वास्थ्य मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा व योगी सरकार तीखा हमला किया है। योगी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल पर सपा प्रमुख बोले कि अब इस सरकार से मुक्ति का समय आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। नौजवानों के पास काम नहीं है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। सरकार के अंतिम साल में स्वास्थ्य मंत्री लाइन में लगकर छापा डालने का दिखावा कर रहे है। गरीबों को दवा-इलाज नहीं मिल रहा है।

पार्टी मुख्यालय पर बृहस्पतिवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि इस सरकार में गरीबों को समय पर न एंबुलेंस मिलती है और न इलाज मिल रहा है। भाजपा सरकार ने गरीबों को मुसीबत में फंसा दिया है। आरोप लगाया कि स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं इस सरकार की प्राथमिकता में नहीं हैं।

अखिलेश ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा की सभी करतूतों को जान चुकी है। जनता 2027 में भाजपा से मुक्ति के लिए तैयार है। विधानसभा प्रभाव में भाजपा का सफाया हो जाएगा। अखिलेश ने नवरात्र पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी।

भारत को अंतरराष्ट्रीय मामलों में स्वतंत्र और संतुलित भूमिका निभानी चाहिए : एसटी हसन

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने ईरान-इजरायल तनाव और वैश्विक राजनीति में अमेरिका की भूमिका को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। डॉ. एसटी हसन ने बातचीत करते हुए अमेरिका की नीतियों और भारत की वर्तमान विदेश नीति पर कई सवाल खड़े किए। भारत की विदेश नीति पर डॉ. एसटी हसन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्त्राइल के साथ संबंधों और रुख पर असहमति जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत की पारंपरिक संतुलित विदेश नीति में बदलाव आया है। उनका कहना था कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मामलों में स्वतंत्र और संतुलित भूमिका निभानी चाहिए। किसी भी वैश्विक शक्ति का कठपुतली नहीं बनना चाहिए। डॉ. हसन ने ईरान पर हमला मामले में कहा कि अमेरिका वैश्विक स्तर पर दबदबा बनाए रखने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है, परमाणु शक्ति और सैन्य ताकत पर उसका एकाधिकार बना रहे। अन्य देशों को हथियार और मिसाइल क्षमता विकसित करने से रोका जाए। उन्होंने कहा कि यह शक्ति संतुलन के बजाय वर्चस्व की नीति को दर्शाता है।

महाराष्ट्र में कुछ बड़ा खेला होने वाला है: नाना पटोले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के दिल्ली दौरे का जिक्र कर बड़ा दावा किया। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में कुछ बड़ा होने वाला है। पटोले ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि बीजेपी देवेंद्र फडणवीस को हटाकर एकनाथ शिंदे को सीएम बनाएगी लेकिन जो हालात दिख रहे हैं, उससे लगता है कि कुछ बड़ा होने वाला है।

» शिंदे के दिल्ली दौर पर कांग्रेस नेता का दावा

मुंबई में नाना पटोले ने कहा, शिंदे साहब की खुद की हालत खराब है, क्या परिस्थिति बीजेपी ने बनाकर रखी है, वो शिंदे साहब के रहन-सहन से सबको पता चल रहा है, उनके मंत्री और विधायकों को भी पता चल रहा है, महाराष्ट्र में गैस की दिक्कत चालू हो गई है, लोगों की रोजमर्रा की चीजें नहीं मिल रही हैं, उद्योग बंद हो गए हैं, सरकार मीडिया को भी धमका रही है, ये जो परिस्थियां बनी हैं, उस तरफ शिंदे साहब को ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने ये भी कहा, फडणवीस मेरे ऊपर अत्याचार करता है, ये बातें दिल्ली में बताकर कुछ नहीं होने वाला है, मुझे नहीं लगता कि फडणवीस को हटाकर शिंदे को मुख्यमंत्री बीजेपी को बनाएगी। जिस तरह से बर्ताव चल रहा है, कुछ बड़ा खेला होने वाला है. कुछ बड़ा खेला होने की संभावना है। बता दें कि मंगलवार को दिल्ली में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान पार्टी के सांसद भी मौजूद थे। शिंदे ने अपने दिल्ली दौरे पर कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा होता है तो वो दिल्ली आते रहते हैं। वहीं उद्धव ठाकरे गुट ने निशाना साधते हुए कहा था कि शिंदे की शिवसेना के संस्थापक अमित शाह हैं, इसलिए वो आदेश लेने दिल्ली आते रहते हैं।

कंप्रोमाइज प्रधानमंत्री नहीं चलेगा: राजेश राम

» बिहार कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ किया हल्लाबोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस ने पटना की सड़कों पर बिहार सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार का जमकर विरोध किया। इस दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कंप्रोमाइज पीएम नहीं चलेगा, 56 इंच का सीना कहां है, जवाब दो, एलपीजी की किल्लत क्यों मोदी सरकार जवाब दो, के खूब नारे लगाए। आज कांग्रेस का यह प्रदर्शन इनकम टैक्स गोलंबर पर हुआ।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का पुतला दहन किया। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला किया।उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में गैस सिलेंडर की भारी किल्लत हो गई है और आम जनता को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में गैस के लिए लाइन में लगे बुजुर्गों की मौत की खबरें सामने आई हैं, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह स्थिति केंद्र सरकार की नाकामी और कुप्रबंधन का सीधा उदाहरण है।

सरकार आम जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह विफल हो चुकी है, जबकि प्रधानमंत्री और उनके मंत्री केवल प्रचार में व्यस्त हैं। राजेश राम ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आज देश की आम जनता महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की कमी से त्रस्त है।

एलपीजी सिलेंडर की किल्लत ने आम लोगों के घरों का चूल्हा ठंडा कर दिया है, जबकि लगातार बढ़ती कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है।

योगी सरकार के नौ साल विध्वंस के रहे: अजय राय

» प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने गिनाई विभिन्न घटनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने यूपी सरकार पर करारा वार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने नौ साल के कार्यकाल को गिना रहे हैं। लेकिन उनका यह कार्यकाल निर्माण का नहीं बल्कि विध्वंस का रहा है। वह बृहस्पतिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने विभिन्न घटनाओं को गिनाते हुए कहा कि कहा कि 15 मार्च 2026 को 1519 करोड़ की लागत से बने लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन होता है और अगले ही दिन वह सड़क धंस जाती है, जो इस सरकार के महाभ्रष्ट होने का प्रमाण है। इसी तरह सूदखोरों का एक ऐसा मकड़जाल इस प्रदेश में फैला है जो इनकी जीरों टॉलरेंस की नीति को ठेंगा दिखाता है जिसके चंगुल में फंसकर हजारों परिवार बर्बाद हो रहे हैं। हालिया उदाहरण जनपद

फतेहपुर का है जहां एक परिवार ने 5 लाख रुपये सूद पर लिए थे और उसके बदले 27 लाख 50 हजार देने के बाद भी तकादा जारी था अंतत: परिवार ने थक कर आत्महत्या कर ली। यह सरकार अपने कर्मचारियों का हित भी सुरक्षित नहीं रख पा रही, मोहनलालगंज रोजगार सेवक रमेश प्रजापति ने मानदेय न मिलने के कारण आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या कर ली यह रोजगार सेवक सरकार के वह मुस्तैद सिपाही हैं जो हर विषम परिस्थिति में काम करते है। जैसे एसआईआर की पूरी प्रक्रिया इन्हीं लोगों के बल पर संपन्न हुई।ं जिला कांग्रेस कमेटी आगरा के अध्यक्ष रामनाथ सिकरवार एवं किसान कांग्रेस आगरा के अध्यक्ष मुकेश डागुर के साथ कई किसान ने बताया कि आगरा का भूमि विकास बैंक जो अब राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक हो गया है कैसे किसानों के साथ सूदखोरों जैसा व्यवहार कर रहा है । भगवान दास नाम का किसान वर्ष 1997 में लोन लिया 18000, वर्ष 2016 में 4 लाख 18 हजार चुका कर खत्म कर दिया गया। उन्हीं कागजों पर पुन: दोबारा बैंक के दलालों द्वारा एक फर्जी लोन कर दिया गया और उसका तकादा अब भगवान दास द्वारा किया जा रहा है। इसी तरह अतर सिंह द्वारा वर्ष 2003 में लोन लिया गया 2 लाख 88 हजार, जमा किया 4 लाख 98 हजार और वर्ष 2025 में 20 लाख 14 हजार की देनदारी निकाल दी गई है।

कर्मचारियों को भी बचा पाने में असमर्थ सिद्ध हो रही भाजपा सरकार

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने कर्मचारियों को भी बचा पाने में असमर्थ सिद्ध हो रही है। बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में जो एक निषिद्ध क्षेत्र होता है वहां घुसकर सरकारी कार्य कर रहे दो अधिकारियों की हत्या कर दी गई है। हत्यारा वहां के भाजपा विधायक का ही गुर्गा है। यह सरकार बार-बार काशी का विकास-काशी का विकास की चर्चा करती है जबकि सच यह है कि इसने काशी की सांस्कृतिक विरासत की हत्या की है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखना गलत नहीं: शिवकुमार

» कर्नाटक में सीएम पद पर फिर सियासी रस्साकसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्य में आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल का संकेत दिया और कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा मंत्री या मुख्यमंत्री पद की आकांक्षा रखने में कुछ भी गलत नहीं है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि जब हमारे मुख्यमंत्री ने कहा है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल होने वाला है, तो स्वाभाविक रूप से हर कोई मंत्री या मुख्यमंत्री बनना चाहेगा।

वे कोशिश कर सकते हैं। इसमें कुछ भी

गलत नहीं है। संभावित फेरबदल ऐसे समय में हो रहा है जब कांग्रेस सरकार आंतरिक तनाव का सामना कर रही है, विशेष रूप से शिवकुमार के समर्थकों की ओर से, जो 2023 के सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला देते हुए उन्हें शेष दो साल से अधिक के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री नियुक्त करने की मांग कर रहे हैं। इस नेतृत्व संघर्ष के कारण मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तनाव को बढ़ने से रोकने के उद्देश्य से कई बैठकें हुई हैं। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया है कि पार्टी उच्च कमान इस मामले पर निर्णय लेगी। दिल्ली की अपनी हालिया यात्रा के बारे में शिवकुमार ने बताया कि उन्होंने कई सांसदों से मुलाकात कर कर्नाटक की चिंताओं को अपने सामने रखा, जिन्हें राज्य सरकार संसद में उठाना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि वे कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र से जुड़े महादयी नदी विवाद पर चर्चा करने के लिए केंद्र सरकार से मिलने की योजना बना रहे हैं। वे बुधवार को दिल्ली में थे।

बंगाल में चुनावों की तेज हुई सियासी चाल

टीएमसी ने जारी की 291 उम्मीदवारों की लिस्ट

- सभी दलों ने कसी कमर
- सबकी नजर सत्ता की कुर्सी पर
- भाजपा ने 144 उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी
- भाजपा-टीएमसी कर रहे हैं नए-नए प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में चुनाव का बिगुल बजने के बाद से वहां पर सियासी माहौल पूरा चुनावी हो गया है। कांग्रेस, टीएमसी, भाजपा से लेकर सभी सियासी दल अपना-अपना गणित बिठाने लगे हैं। जहां भाजपा वरुण गांधी से लेकर शुभेंदु अधिकारी तक पर दावं लगाने की योजना पर विचार कर रही है वहीं टीएमसी ने जारी 291 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर बीजेपी को चुनौती दे दी है। भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी का ममता बनर्जी से कड़ा मुकाबला होगा।

तृणमूल से मिली अंदरूनी जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस बार विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के चयन में युवा नेताओं और उभरते सितारों पर विशेष भरोसा जताने वाली हैं। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि उम्मीदवारों की सूची में कई नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। आखिरकार, सारा इंतजार और अटकलें खत्म हो गईं। तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही मेल मुलाकातों का दौर शुरू हो गया है। राजनीति में कोई अपना नहीं है और कोई पराया नहीं है। कोई छोटा नहीं है कोई बड़ा नहीं है। जो कल तक कमजोर थे आज ताकतवर हैं। जो खुद को कभी सरकार मानते थे, वो आज अपने अस्तित्व को बचाने की जंग लड़ रहे हैं। तेजी से बदलते वक्त के साथ सियासत का रंग भी बदलता है। यहां किसी चीज का मोल हो या न हो रिश्तों का कोई मोल नहीं होता।

भवानीपुर में भाजपा का नैया शुभेंदु के हाथ में

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 144 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सीट कोलकाता के भवानीपुर से नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। पार्टी द्वारा जारी सूची के मुताबिक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से, बिमान महतो को सालबनी से और दक्षिण कोलकाता की रासबिहारी सीट से स्वपन दासगुप्ता को टिकट दिया गया है।

भाजपा ने सुमिता सिन्हा को पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी उत्तर से, बिमान घोष को हुगली जिले के पुरसुराह से और माधवी महलदर को दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली से मैदान में उतारा है। सूची के मुताबिक, अनिमा दत्ता को नदिया जिले के पलाशीपाड़ा से, जबकि लक्षिकांत साहू को झाड़ग्राम से टिकट दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने 2021 में हुए उपचुनाव में भवानीपुर से जीत हासिल की थी। बनर्जी विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं, जिसके बाद मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उनका इस सीट से जीतना महत्वपूर्ण था। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा और मतगणना चार मई को होगी।

यह लड़ाई बंगाल के अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है : ममता

बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए। ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। उम्मीदवारों की घोषणा के पहले ही पल ममता बनर्जी ने अकेले ही भाजपा को चुनौती दी। उन्होंने कहा, यह लड़ाई बंगाल के अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। इस चुनाव में बंगाल की जनता की जीत होगी। और भाजपा के हाथ कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने चुनाव आयोग को मेघनाद कहकर उसका मजाक उड़ाया। उन्होंने पूरक सूची पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल इस बार चुनाव में 226 से अधिक सीटें जीतेगी। इस बार तृणमूल का टिकट किसे मिलेगा? कई अटकलों में अलग-अलग नाम सामने आए हैं। तृणमूल से मिली अंदरूनी जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस बार विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के चयन में युवा नेताओं और उभरते सितारों पर विशेष भरोसा जताने वाली हैं। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि उम्मीदवारों की सूची में कई नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। आखिरकार, सारा इंतजार और अटकलें खत्म हो गईं। तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है।

पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में बीजेपी वरुण गांधी की उपयोगिता देख रही

2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद वरुण गांधी की यह पहली मुलाकात होगी जो वह प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे। इसीलिए इस मुलाकात को लेकर खूब चर्चाएं हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वरुण गांधी की सियासी मुलाकात को लेकर अटकलें तेज हैं। वरुण

» इस मुलाकात को बंगाल चुनाव से क्यों जोड़कर देखा जा रहा है?

गांधी ने पीएम मोदी से यह मुलाकात ऐसे समय में की है जब पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनावी बिगुल फूंका जा चुका है। चर्चा है कि पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में बीजेपी वरुण गांधी की उपयोगिता देख रही है, क्योंकि वह पूर्व में बंगाल के प्रभारी रह चुके हैं और उनकी पत्नी भी मूल रूप से बंगाली हैं। दबे स्वर में यह भी चर्चा है कि उनकी पत्नी यामिनी रॉय वहां से चुनाव लड़ सकती हैं।

वरुण गांधी को बंगाल में मिलेगी अहम जिम्मेदारी

कभी अपनी सरकार के खिलाफ हमलावर रहने वाले वरुण गांधी ने बीते दिनों सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। उन्हें पितृवत बताया है। सियासत में अटकलों पर ही जब इतनी संभावनाएं जताई जाने लगती हैं। ऐसे में अचानक से हुई इस मुलाकात के मायने निकाला जाना भी लाजिमी है। क्या वरुण गांधी बंगाल में बड़ी जिम्मेदारी के लिए अब तैयार हो रहे हैं? वरुण गांधी की मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से आखिर क्यों हुई? क्या वरुण गांधी का सियासी वनवास खत्म होने वाला है? दरअसल यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही मेल मुलाकातों का दौर शुरू हो गया है।

वरुण ने मोदी से मुलाकात कर पिता समान बताया

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से बीजेपी के सांसद रहे वरुण गांधी ने सब परिवार प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वरुण गांधी के साथ उनकी पत्नी और बेटी मौजूद रही। वरुण गांधी ने पीएम से आशीर्वाद लिया और मार्गदर्शन भी हासिल करने की बात कही। वरुण गांधी ने 17 मार्च को सोशल मीडिया पोस्ट पर पीएम मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में पीएम मोदी के साथ वरुण गांधी और उनकी पत्नी और बेटी भी दिखाई पड़ रही है। वरुण गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि परिवार सहित श्रद्धेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वरुण ने कहा कि आपके आभा मंडल में अद्भुत पितृवत स्नेह है और संरक्षण का भाव है। आपसे हुई भेंट इस विश्वास को और भी दृढ़ बना देती है। आप देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं।

चुनाव से पहले 19 सीनियर आईपीएस अफसरों का तबादला

आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में तेजी आने के साथ ही, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादलों का एक नया दौर शुरू किया है। प्रमुख तबादलों में, आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) नियुक्त किया गया है। के. जयरामन उत्तर बंगाल के एडीजी का कार्यभार संभालेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों अधिकारी 1997 बैच के हैं। कई नए पुलिस आयुक्तों की तैनाती भी महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों में की गई है। प्रणव कुमार अब पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल-दुर्गापुर के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालेंगे। अखिलेश कुमार चतुर्वेदी को हावड़ा का पुलिस आयुक्त बनाया गया है, जबकि अमित कुमार सिंह उत्तर 24 परगना के बैरकपुर जिले के प्रमुख होंगे। सुनील कुमार यादव को हुगली जिले के चंदननगर का पुलिस आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने कई जिलों के नेतृत्व में फेरबदल के आदेश दिए हैं। 12 जिलों में नए पुलिस अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है। पुष्पा बारासात, जसप्रीत सिंह कूच बिहार और सूर्य प्रताप यादव बीरभूम में कार्यभार संभालेंगे। कुमार सनी राय को हुगली ग्रामीण में तैनात किया गया है, जबकि ईशानी पॉल डायमंड हार्बर की देखरेख करेंगी। सचिन को मुर्शिदाबाद और अलकनंदा भवाल को बसीरहाट में नियुक्त किया गया है। अन्य नियुक्तियों में अनुपम सिंह को मालदा, अंशुमन साहा को पूर्वी मेदिनीपुर और सुरिंदर सिंह को जंगीपुर में नियुक्त किया गया है। राकेश सिंह इस्लामपुर के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करेंगे और पापिया सुल्ताना को पश्चिम मेदिनीपुर में नियुक्त किया गया है। कोलकाता में वाईएस जगन्नाथराव को पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) नियुक्त किया गया है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने की प्रतिबद्धता जताई है। चुनाव आयोग ने तबादलों को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया है और अनुपालन की रिपोर्ट 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक देनी होगी। स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संबंधी कार्य नहीं सौंपे जाएंगे। अपने रुख की पुष्टि करते हुए एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग पारदर्शी, भयमुक्त, हिंसामुक्त और प्रलोभनमुक्त चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद आयोग द्वारा की गई पिछली कार्रवाइयों के बाद यह फेरबदल किया गया है। मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीना का तबादला किया गया, जबकि पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को उनके पदों से हटा दिया गया। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने हैं। मतगणना 4 मई को होगी।

बन सकते हैं बंगाल के प्रभारी

राजनीतिक गलियारे में चर्चा इस बात की है कि कहीं वरुण गांधी को पश्चिम बंगाल में कोई जिम्मेदारी तो नहीं मिलने वाली। क्योंकि इससे पहले भी वरुण गांधी को एक बार पश्चिम बंगाल का जिम्मा मिला हुआ था। तब साल था 2013 का। इसके साथ ही माना यह भी जा रहा है कि अगले साल उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में वरुण सक्रिय भूमिका अदा कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि वरुण गांधी को संगठन या राज्यसभा के जरिए कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। बंगाल में बीजेपी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए उन्होंने उस समय के बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष रहे राहुल सिन्हा के साथ काम किया था। बीजेपी ने राहुल सिन्हा को राज्यसभा भेजा है। अब वरुण गांधी की पीएम मोदी से मुलाकात बंगाल में उनके एक्टिव होने के संकेत के रूप में देखी जा रही।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एक गिलास साफ पानी की तलाश में शहर

कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है।

पिछले कुछ सालों में दूषित पानी पीने से मौतों की खबरें आम सी हो गई हैं। चाहे इंदौर हो या नोएडा। सरकार हर घर जल व जलजीवन मिशन जैसे योजनाएं लाई पर उसका लाभ क्या मिल रहा है ये सोचने व देखने की बात है। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं।

यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। पर अब भी कुछ नहीं बिगड़ा सरकरों को गंभीर होकर इस समस्स से निपटना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आसान नहीं भाजपा की पंजाब में वर्चस्व की राह

निर्मल संधू

गत चौदह मार्च को मोगा में अपनी बहुप्रचारित रैली की शुरुआत करते हुए अमित शाह को पगड़ी पहने और सिखों का लोकप्रिय जयघोष करते देखना एक दिलचस्प नजारा था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर सिख सभाओं में पगड़ी पहनकर आते हैं। जो कोई भी भाजपा नेताओं को सिखों को लुभाने के वास्ते ऐसे हास्यास्पद सुझाव देता है, उसे पंजाब से जुड़े किसी भी राजनीतिक मामले पर सलाह देने से स्थाई तौर पर रोक देना चाहिए। यह कोई राज नहीं है कि भाजपा में फैसले शीर्ष स्तर पर लिए जाते हैं। यहां तक कि मीडिया को इंटरव्यू देने के लिए भी केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी जरूरी रहती है। जाहिर है, आने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव अकेले लड़ने के पार्टी के फैसले का ऐलान करने से पहले अमित शाह ने सुनील जाखड़ और कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे स्थानीय पार्टी नेताओं से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था।

जबकि कांग्रेस के ये दोनों पूर्व दिग्गज नेता सार्वजनिक तौर पर शिरोमणि अकाली दल के साथ चुनावी गठबंधन करने की वकालत कर रहे थे। यह रवनीत सिंह बिट्टू ही थे जिन्होंने ऐसे किसी भी गठबंधन का जोरदार विरोध किया है; ऐसे में अगर कल को उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बना दिया जाए, तो कोई हैरत नहीं। स्थानीय लोगों के साथ सार्थक संवाद के अभाव में, गृह मंत्री ने अपने भाषण में पसंदीदा अलगाव के मुद्दों में से एक का सहारा लिया-धर्मांतरण। भाजपा जिस 'बदलाव' का वादा कर रही है, यदि उसमें धर्मांतरण-विरोधी कानून भी शामिल है, तो चुनावी लिहाज से उसे कोई खास सफलता नहीं मिलेगी। धर्मांतरण कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जो आम पंजाबियों को परेशान कर रहा हो। मामूली आर्थिक फायदों के लिए ईसाई धर्म अपनाने वाले गरीब लोगों से समाज या राज्य को कोई खतरा नहीं है। सबको अपने साथ लेकर चलने वाला पंजाब, धार्मिक आधार पर समाज में अलगाव से चुनाव जीतने के भाजपा के एजेंडे को आसानी से स्वीकार नहीं करेगा।

आम तौर पर पंजाबी लोग अहंकारी नेताओं को सत्ता से बाहर करने के लिए वोट देते हैं। उनकी कोई पसंदीदा पार्टी शायद ही कभी रही है। पिछले चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिली जबरदस्त जीत का श्रेय 'आप' के नेतृत्व से किसी बड़ी उम्मीद के बजाय, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और

भाजपा के कुशासन के लिए उन्हें दी गई सजा को ज्यादा जाता है। हो सकता है कि अब वे 'आप' से भी मोहभंग महसूस कर रहे हों, लेकिन वे इतने नाराज भी नहीं हैं कि उसे सत्ता से ही बेदखल कर दें। सिख राजनीतिक विचारक और लेखक, अजमेर सिंह के अनुसार 'भाजपा ने हरियाणा में जाटों को अलग-थलग करके और गैर-जाटों को एकजुट करके चुनाव जीता था। पंजाब में भी वह यही रणनीति अपना सकती है-सिख जाट वोटों को बांटना और हिंदू, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वोटों को एकजुट करना'। डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख को पद्मश्री से सम्मानित करना और उसके बाद दलित बहुल इलाके में गुरु रविदास को श्रद्धांजलि देने के लिए पीएम मोदी का डेरा दौरा, जाहिर तौर पर इसी रणनीति का हिस्सा हैं। पंजाब के कुल वोटों में दलितों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है और जालंधर, कपूरथला, नवांशहर और होशियारपुर-इन चार जिलों की 117 विधानसभा सीटों में से 23 सीटों के नतीजों में वे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। दलितों के बीच रविदासिया समुदाय एक बड़ा हिस्सा है। भाजपा इसी समुदाय पर दांव लगा रही है। भाजपा की इस चुनावी रणनीति को एक और चीज से भी मदद मिल रही है-दोषी डेरा प्रमुख राम रहीम की बार-बार पैरोल पर रिहाई। पंजाब के मालवा इलाके के कुछ हिस्सों में राम रहीम के बहुत सारे अनुयायी हैं और फिलहाल उसका पसंदीदा दल भाजपा है। ब्यास स्थित राधा स्वामी डेरा आमतौर पर राजनीतिक रूप से तटस्थ रहता है। भाजपा की दलितों तक पहुंच बनाने की कोशिश भी शायद ही कामयाब हो जाए, क्योंकि पंजाब में अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोटर बंटे हुए हैं और अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों का समर्थन करते हैं। यही वजह है कि बहुजन समाज पार्टी पंजाब में ज्यादा कामयाबी हासिल नहीं कर पाई। भाजपा के लिए हरियाणा वाली सफलता को पंजाब में दोहराना मुश्किल होगा।

यहां पर हालात पूरी तरह से उसके अनुकूल नहीं हैं। सिख आमतौर पर भाजपा से दूरी बनाकर रखते हैं, क्योंकि भाजपा की राजनीति भड़काऊ होती है, एजेंडा सांप्रदायिक केंद्रित होता है, और वह डेरों को संरक्षण देती है। सिखों का मुख्य सिद्धांत है 'सरबत दा भला' (सबका कल्याण)। उग्रवाद के चरम पर होने के समय भी, गंभीर उकसावों के बावजूद, कोई बड़ा सांप्रदायिक विभाजन नहीं हुआ था। सिखों को लुभाने के वास्ते, भाजपा ने पगड़ीधारी कई नेताओं को पार्टी में शामिल किया है।

संस्मरण की सशक्त आवाज को मिला सम्मान

डॉ. वेद मित्र शुक्ला

हिंदी साहित्य की बहुआयामी और सशक्त रचनाकार ममता कालिया को उनके चर्चित संस्मरण जीते जी इलाहाबाद (2021) के लिए वर्ष 2025 के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाना हिंदी साहित्य जगत के लिए एक सुखद क्षण है। 2 नवम्बर, 1940 को उत्तर प्रदेश के वृंदावन में जन्मी ममता कालिया हिंदी साहित्य की उन रचनाकारों में हैं जिनकी रचनात्मकता किसी एक विधा तक सीमित नहीं रही। कहानी, उपन्यास, नाटक, कविता, निबंध, संस्मरण और पत्रकारिता के साथ लगभग हर विधा में उन्होंने अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है। हिंदी कहानी के परिदृश्य पर उनका लेखन सातवें दशक से लगातार सक्रिय रहा है और लगभग आधी सदी के रचनात्मक काल में उन्होंने दो सौ से अधिक कहानियां लिखीं, जो समकालीन जीवन की विडंबनाओं, मध्यवर्गीय संघर्षों और स्त्री-अनुभवों की सजीव अभिव्यक्ति हैं।

साहित्यिक संस्कार वाले उस परिवार में ममता जी जन्मी जहां, पिता विद्याभूषण अग्रवाल हिंदी और अंग्रेजी साहित्य के विद्वान तथा शिक्षक थे। शिक्षा और जीवन के विभिन्न चरणों में भारत के कई शहरों में रहना उनके व्यक्तित्व और लेखन को व्यापक सामाजिक अनुभवों से समृद्ध करता रहा। तभी उनकी रचनाओं में भारतीय शहरी जीवन का यथार्थ, बदलते पारिवारिक संबंध और स्त्री की आत्मसजगता गहरे रूप में दिखाई देती है। कहानी के क्षेत्र में ममता कालिया की विशिष्ट पहचान है। उनकी संपूर्ण कहानियां अब तक ममता कालिया की कहानियां (2017) शीर्षक से दो खंडों में प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके चर्चित कहानी संग्रहों में छुटकारा, एक अदद औरत, सीट नं. छह, उसका यौवन, जांच अभी जारी है, प्रतिदिन, मुखौटा, निर्मोही, थिएटर रोड के कौए और पच्चीस साल की लड़की विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इन कहानियों में समकालीन जीवन की विसंगतियां, मध्यवर्गीय परिवारों के अंतर्विरोध और स्त्री की आत्मसंघर्षशील चेतना सशक्त रूप में उभरती है।

उपन्यास विधा में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण है। बेघर (1971), नरक दर नरक (1975), प्रेम कहानी (1980), लड़कियां (1987), एक पत्नी के नोट्स (1997), दौड़ (2000), अंधेरे का ताला (2009), दुक्खम्-सुक्खम् (2009), कल्चर वल्चर (2016) और सपनों की होम डिलीवरी (2017) जैसे उपन्यास हिंदी कथा साहित्य की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। इनमें बदलते सामाजिक मूल्य, उपभोक्तावादी संस्कृति और स्त्री की बदलती भूमिकाएं अत्यंत संवेदनशील ढंग से चित्रित हुई हैं। कविता, नाटक और संस्मरण लेखन में भी ममता कालिया ने अपनी अलग पहचान बनाई। उनके कविता संग्रहों में खांटी घरेलू औरत और कितने प्रश्न करूं उल्लेखनीय हैं। नाटकों में यहां रहना मना है और आप न बदलेंगे चर्चित रहे हैं। संस्मरण विधा में उनकी पुस्तक कितने शहरों में कितनी बार (2010) और नवीनतम जीते जी इलाहाबाद पाठकों और आलोचकों दोनों के बीच विशेष रूप से सराही गई है।

सीधे-सीधे संस्मरण जीते जी इलाहाबाद की बात करें तो पाते हैं कि एक लेख से शुरू हुए इस पुस्तक के पूर्ण होने की यात्रा में एक शहर की स्मृतियों का आख्यान होने के साथ-साथ साहित्यिक और सांस्कृतिक परिवेश की जीवंत झांकी भी है, जिसमें इलाहाबाद (अब प्रयागराज) की बौद्धिक परंपरा और रचनात्मक वातावरण को आत्मीयता से दर्ज किया गया है। यानी ममता कालिया ने संस्मरण विधा को निजी स्मृतियों के कथन से आगे ले जाकर उसे एक व्यापक सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य से जोड़ा है। यह कृति किसी एक व्यक्ति के जीवन का वृत्तांत न होकर उस साहित्यिक शहर की जीवित स्मृति है, जिसने आधुनिक हिंदी साहित्य को दिशा दी। ममता कालिया ने शहर के उस वातावरण को पुनर्सृजित किया है जहां साहित्य, संवाद और बौद्धिक बहसें जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थीं। वे बताती हैं कि यहां पैदल चलना किसी विवशता का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मीय सामाजिक जीवन का संकेत था। इस शहर की सांस्कृतिक संरचना में लेखकों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों की सक्रिय उपस्थिति थी, जिसने उसे हिंदी साहित्य की उर्वर भूमि बना दिया। संस्मरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष इसका शब्द चित्रात्मक शिल्प है।

इसमें उपेन्द्रनाथ अश्क, नरेश मेहता, अमरकांत, ज्ञानरंजन, दूधनाथ सिंह और रवीन्द्र कालिया जैसे साहित्यकारों के जीवंत चित्र मिलते हैं, जो उस दौर की साहित्यिक संस्कृति को मूर्त रूप देते हैं। इन चित्रों में प्रशंसा के साथ मानवीय कमजोरियों का भी सहज उल्लेख है, जिससे संस्मरण की विश्वसनीयता और बढ़ जाती है। इस प्रकार जीते जी इलाहाबाद एक ऐसे साहित्यिक नगर का सांस्कृतिक दस्तावेज है जो रचनात्मकता, प्रतिरोध और आत्मीयता की परंपरा को जीवित रखता है। वर्ष 2017 में ममता जी को उपन्यास दुक्खम्-सुक्खम् के लिए प्रतिष्ठित व्यास सम्मान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान और लमही सम्मान जैसे अनेक अलंकरण उन्हें प्राप्त हो चुके हैं। अब 2025 में जीते जी इलाहाबाद के लिए मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार उनकी साहित्यिक साधना की एक महत्वपूर्ण स्वीकृति है।

सामग्री

300 ग्राम सेवई बनारसी, 200 ग्राम खोया, 2 बड़े चम्मच घी, 2 से 3 बड़े चम्मच बादाम, 2 से 3 बड़े चम्मच काजू, 2 से 3 बड़े चम्मच किशमिश, 2 से 3 बड़े चम्मच नारियल, 3 कप पानी, 2 कप चीनी, एक छोटा चम्मच इलायची, 1 छोटा चम्मच केवड़ा, खाने वाला रंग।

ईद पर बनाएं स्वादिष्ट सेवई

ईद अल फितर इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है और कोई भी त्योहार बिना पकवानों के अधूरा है। ईद के मौके पर दोस्त, करीबी और रिश्तेदार एक दूसरे के घर जाते हैं। ईद की मुबारकबाद देते हैं। ऐसे में मेहमानों के लिए ईद पर कई तरह के व्यंजन पकाए जाते हैं। वैसे तो ईद पर लजीज पकवानों की भरमार होती है लेकिन एक ऐसा व्यंजन है, जो पारंपरिक तौर पर ईद के मौके पर हर जगह बनता है। यह पकवान सेवई हैं, जिसके बिना ईद अधूरी है और इस पर्व का जिक्र होते ही सबसे पहले सेवई का स्वाद मुंह में आने लगता है। ईद की सेवई से कई तरह के व्यंजन बनते हैं, जैसे सेवई की खीर, सेवई का जर्दा, और दूध वाली सेवई। ईद की सेवई में किमामी सेवइयां भी काफी लोकप्रिय है। इसे बनाना बेहद आसान है।

विधि

सबसे पहले एक पैन में तीन कप पानी डालें। इसमें दो कप चीनी और एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, एक छोटा चम्मच केवड़ा और खाने वाला रंग डालकर पकाएं। इसे तब तक चलाते रहें, जब तक चीनी पूरी तरह से घुल न जाएं। हालांकि ध्यान रखें कि इस मिश्रण की चाशनी नहीं बनानी है। तब तक दूसरे पैन में दो चम्मच घी डालकर उसमें बादाम, काजू, किशमिश और नारियल अच्छे से भून लें। फिर इसे अलग बर्तन में निकाल कर रख लें। इसी पैन में आधा कप घी डालकर गर्म करें और फिर सेवई डालकर फ्राई कर लें। सेवई को तब तक चलाते रहें जब तक इसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए। इस भुनी हुई सेवई में चाशनी डालकर ऊपर से ड्राई फ्रूट्स और खोया को कद्दूकस करके मिलाएं। दो से तीन मिनट के लिए सेवई को ढककर पकाएं। फिर गैस बंद कर दें। 10 मिनट में सेवई चाशनी को सोख लेगी। अब सेवई सर्व करने के लिए तैयार है।

पोहा पराठा बढ़ाएगा नाश्ते का स्वाद

नाश्ते में अक्सर आप पोहा खाते होंगे। नोहा सेहत के लिए अच्छा होता है। आसानी से बन जाता है और स्वाद भी लाजवाब लगता है। लेकिन क्या कभी आपने पोहा के पराठे खाए हैं। स्टफिंग वाले पराठे की बात ही अलग होती है। चाय के साथ गर्मागर्म आलू, पनीर या प्याज के पराठे स्वादिष्ट लगते हैं। वहीं सर्दियों में तो कई और वैरायटी के स्टफ्ड पराठे खाने को मिलते हैं। दाल, हरी मटर, पालक, बथुआ, गोभी और मूली इतनी तरह के पराठे की वैरायटी सर्दियों में नास्ते का स्वाद बढ़ाती हैं। इन सब के अलावा आप पोहा पराठा भी बना सकते हैं। पोहा पराठा नरम और लजीज बनता है। सर्दियों में चाय के साथ इसे बच्चे से लेकर बड़े तक सभी मजे में खाएंगे। इसमें पोहा की मदद से स्टफिंग की जाती है। इसके अलावा आलू और हरी मटर का भी इस्तेमाल होता है।

सामग्री

पोहा, उबली हरी मटर, उबले आलू, बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च, नमक, कसूरी मेथी, जीरा पाउडर, चाट मसाला, आटा।

विधि

पराठा बनाने के लिए सबसे पहले आलू और मटर को उबाल लें। पोहे को धोकर पानी में दो मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब पानी से पोहे को अलग करके उसे मैश कर लें। पोहे में उबले हुए आलू, मटर, आटा को मिला लें। इस मिश्रण में नमक, हरी मिर्च, कसूरी मेथी, धनिया, जीरा पाउडर, चाट मसाला डालकर अच्छे से मिला लीजिए। अब इस मिश्रण का नरम आटा गूंथ लें। मिश्रण पतला लग रहा हो, तो उसमें थोड़ा गेहूं का आटा और मिलाकर अच्छी तरह से गूंथ लें। आटे की छोटी छोटी लोई बनाकर रोटी की तरह बेल लें। गैस पर नॉन स्टिक पैन या तवा गर्म करें। पोहा रोटी को उस पर हल्की आंच पर सेकें। दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से उलट पलट कर सेक लें। पोहा पराठा तैयार है। चटनी, दही के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा- मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति- ये लो चॉकलेट

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है..पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

कहानी — डर का सामना

एक दिन की बात है स्वामी विवेकानंद मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रसाद लेकर बाहर निकले। कुछ देर आगे चलने के बाद स्वामी के घर के रास्ते में उन्हें कुछ बंदरों ने घेर लिया। स्वामी थोड़ा आगे बढ़ते और वो बंदर उन्हें काटने को आते। काफी देर तक स्वामी विवेकानंद ने आगे जाने की कोशिश की, लेकिन वो ऐसा कर न पाए। आखिर में स्वामी विवेकानंद वहां से वापस मंदिर की ओर लौटने लगे। उनके हाथ से प्रसाद की थैली को छीनने के लिए बंदरों की टोली भी उनके पीछे भागने लगी। स्वामी डर गए और वो भी डर के मारे दौड़ने लगे। दूर से मंदिर के पास बैठा एक बूढ़ा सन्यासी सब कुछ देख रहा था। उसने स्वामी को भागने से रोका और कहा, बंदरों से डरने की जरूरत नहीं है। तुम इस डर का सामना करो और फिर देखो क्या होता है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी की बात सुनकर वहां ठहरे और बंदरों की तरफ मुड़ गए। अपनी तरफ तेजी से बंदरों का आता देखकर स्वामी भी उनकी तरफ उतनी ही तेजी से बढ़ने लगे। बंदरों ने जैसे ही स्वामी विवेकानंद को अपनी तरफ आता देखा, तो वो डरकर भागने लग गए। अब बंदर आगे-आगे भाग रहे थे और स्वामी जी बंदरों के पीछे-पीछे। कुछ ही देर में सभी बंदर उनके रास्ते से हट गए। इस तरह स्वामी विवेकानंद ने अपने डर पर जीत हासिल की। फिर वो लौटकर उसी संन्यासी के पास गए और उनको इतनी बड़ी बात सिखाने के लिए धन्यवाद कहा।

कहानी से सीख- कोई भी चीज डर का कारण तब तक बनी रहती है, जब तक हम उससे डरते हैं। इसी वजह से डर से डरने की जगह उसका सामना करना चाहिए। ऐसा करने से डर भाग जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ — विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन — मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क — आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला — यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक — कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। आय बनी रहेगी।

कुम्भ — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन — भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

बॉलीवुड | कार्रवाई

सांग 'सरके चुनर' को लेकर नोरा फतेही के खिलाफ जारी हुआ फतवा

अपकमिंग फिल्म केडी के गाने सरके चुनर गाने पर विवाद चल रहा है। इस बीच इस मामले में एक धार्मिक संस्था के शामिल होने से नोरा फतेही के लिए चीजें मुश्किल हो गई हैं। अलीगढ़ में मौजूद मुस्लिम पर्सनल दारुल इफ्ता ने इस गाने में नजर आने को लेकर अभिनेत्री नोरा फतेही के खिलाफ फतवा जारी किया है। एएनआई की तरफ से शेयर किए गए नोटिस के अनुसार, दारुल इफ्ता ने घोषणा की है कि सरके चुनर तेरी सरके जैसे गाने, जिन्हें अश्लील माना जाता है, इस्लामी शिक्षाओं के तहत हराम माने जाते हैं। इस तरह के कंटेंट में हिस्सा लेना, चाहे व्यक्ति का धर्म या बैकग्राउंड कुछ भी हो, नैतिकता और धर्म के खिलाफ है। संस्था ने आगे बताया कि इस गाने को अलग-अलग जगहों से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने पहले ही इस पर कार्रवाई शुरू कर दी है। गाने पर सिर्फ धार्मिक संस्था ने हस्तक्षेप नहीं किया है बल्कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने नोरा फतेही, संजय दत्त और इस प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों को समन भेजा है। रिलीज होने के तुरंत बाद सरके चुनर गाना विवादों में आ गया। आलोचना होने पर इस गाने को सभी जगहों से हटा दिया गया। इस विवाद के बीच, नोरा फतेही ने सोशल मीडिया पर इस बारे में बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा कि जब उन्हें गाने के बोल के मतलब की पूरी समझ आ गए, तो उन्होंने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। पूरी बात जानने के बाद उन्होंने इस गाने का प्रमोशन नहीं किया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने तीन साल पहले कन्नड़ गाने पर परफॉर्म किया था। हिंदी गाने पर उनका वीडियो बिना उनकी मर्जी के लगाया गया।

'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण ने वसूली मोटी फीस

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म के कलाकारों की फीस को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। हरीश शंकर द्वारा निर्देशित पवन कल्याण की इस फिल्म में श्रीलीला और राशि खन्ना मुख्य अभिनेत्रियां हैं। जानिए पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए कितनी फीस ली है।

फिल्म में एक भ्रष्ट और सत्ता का नेता (आर. पार्थिबन) मुख्यमंत्री को हटाने की साजिश रचता है। उसका बेटा जंगल में गायब हो जाता है। तब पवन कल्याण द्वारा निभाया गया उस्ताद भगत सिंह, एक निडर पुलिस अधिकारी की एंट्री होती है। वह भ्रष्टाचार से लड़ता है, अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है और कई मुश्किलों का सामना करता है।उस्ताद भगत सिंह फिल्म पवन कल्याण और निर्देशक हरीश शंकर की 14 साल बाद वापसी है। दोनों ने पहले गब्बर सिंह जैसी हिट फिल्म दी थी। यहां पवन कल्याण एक बहादुर पुलिस वाले की भूमिका में हैं, जो बड़े-बड़े दुश्मनों से टकराते हैं।

कलाकारों की कथित फीस

पवन कल्याण - फिल्म के मुख्य हीरो पवन ने सिर्फ नाममात्र का एडवांस लिया और कोई ज्यादा फीस नहीं मांगी। निर्माताओं के साथ अच्छे रिश्ते की वजह से उन्होंने लगभग 25 करोड़ रुपये लिए हैं।

श्रीलीला- फिल्म की मुख्य अभिनेत्री श्रीलीला ने इस फिल्म के लिए लगभग 2 से 3 करोड़ रुपये के बीच फीस ली है।

राशि खन्ना- अभिनेत्री राशि खन्ना ने इस पिल्म के लिए 1.5 से 2 करोड़ रुपये के आसपास फीस ली है।

देवी श्री प्रसाद- संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने गानों के लिए कथित तौर पर 12 करोड़ रुपये लिए। थमन एस बैकग्राउंड स्कोर का काम थमन एस ने संभाला है। इस फिल्म के लिए उन्हें 1 से 1.5 करोड़ रुपये मिले हैं।

हरीश शंकर- इस फिल्म के निर्देशक हरीश शंकर ने इस फिल्म के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये लिए हैं।

आर. पार्थिबन- इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभाने के लिए आर. पार्थिबन की फीस के बारे में कोई साफ जानकारी नहीं है।

थियेटर के बाद अब प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी कार्तिक आर्यन की फिल्म 'नागजिला'

बॉलीवुड | मसाला

कार्तिक आर्यन अपनी अपकमिंग फिल्म नागजिला को लेकर सुर्खियों में है। फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर नागजिला का एक पोस्टर शेयर किया है। इसके साथ पोस्ट में लिखा है नागजिला- एक ऐसी दुनिया, जहां रूप बदलने वाले इच्छाधारी नाग इंसानों के बीच रहते आए हैं। इसमें तब अफरा-तफरी मच जाती है, जब एक बेफिक्र रहने वाले इच्छाधारी नाग की नागमणि और उसकी जान, एक सत्ता के भूखे खलनायक के कारण खतरे में पड़ जाती है। पोस्ट में आगे लिखा है सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद नागजिला प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। आपको बता दें कि नागजिला की शूटिंग 16 मार्च 2026 को पूरी हो चुकी है। अब इसके पोस्ट प्रोडक्शन का काम हो रहा है। यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें कार्तिक आर्यन के अलावा रवि किशन, प्रीति मुकुंदन और अरुण कुशवाहा अहम किरदारों में होंगे। इसके निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा हैं। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शन और महावीर जैन फिल्म्स कर रहे हैं।

अजब-गजब | बिहार में है ये देवी मां का चमत्कार

इस मंदिर में बलि चढ़ाने के बाद भी नहीं मरता बकरा, फिर हो जाता है जिंदा!

भारत मंदिरों का देश है और यहां कई रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर हैं। इनके रहस्यों को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। देश में माता के अनेक ऐसे मंदिर हैं, जहां भक्तों को देवी मां के चमत्कार देखने को मिलते हैं। ऐसा ही देवी मां का एक चमत्कारी मंदिर बिहार के कैमूर जिले में भी है। माता के इस मंदिर में भक्तों को अद्भुत चमत्कार देखने को मिलता है। माता के इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाई जाती है लेकिन बकरा मरता नहीं है। बलि के कुछ समय बाद पुनः जिंदा होकर खुद ही चलता हुआ मंदिर से बाहर आ जाता है।

माता का यह चमत्कारी मंदिर मुंडेश्वरी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर कैमूर पर्वत की पहाड़ी पर करीब 600 ज्यादा फीट की ऊंचाई पर है। जानकारी के मुताबिक, यह मंदिर हाजारों साल पुराना है। इतिहासकारों का मानना है कि इसका निमार्ण 108 ईस्वी में शक शासनकाल में बनवाया गया था। भगवान शिव और देवी शक्ति को समर्पित यह प्राचीन मुंडेश्वरी देवी मंदिर बिहार के कैमूर जिले के कौरा क्षेत्र में स्थित है।

माता के इस मंदिर में बकरे की बलि

चढ़ाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हालांकि यहां बलिक देने की परंपरा अन्य मंदिरों से बिल्कुल भिन्न है। दरअसल, जब इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाई जाती है उसकी जान नहीं ली जाती। यहां अलग तरह से बकरे की बलि दी जाती है। खास बात यह है कि यहां बलि चढ़ाने की प्रक्रिया भक्तों के सामने ही की जाती है।

यहां जब किसी बकरे की बलि चढ़ानी होती है तो उसे माता की मूर्ति के सामने लाया जाता है। इसके बाद उसे वहां लिटाकर पुजारी उस पर कुछ अभिमंत्रित चावल फेंकता है। ये चावल माता की मूर्ति को स्पर्श करवाने के बाद बकरे पर फेंके जाते हैं। जैसे ही माता की मूर्ति के स्पर्श करवाए गए चावल बकरे पर फेंके जाते हैं तो बकरा मृत सा हो जाता है। उसे देखकर ऐसा लगता है जैसे उसमें प्राण ही न बचे हों। उसमें बिल्कुल हलचल नहीं होती। इसके बाद फिर इसी प्रकार दोबारा चावल बकरे पर फेंके जाते हैं और माता के जयकारे लगाए जाते हैं। माता के जयकारे लगते ही बकरा तुरंत उठ जाता है। बलि चढ़ाने की क्रिया पूरी होने के बाद बकरे को छोड़ दिया जाता है।

माता के इस चमत्कारिक मंदिर के बारे में एक कथा प्रचलित है। मान्यता है कि चंड-मुंड नाम के राक्षसों का अंत करने के लिए माता यहां प्रकट हुई थी। जब माता ने चंड को मारा तो मुंड यहां की पहाड़ियों में आकर छिप गया। इसके बाद माता ने उसका भी वध कर दिया। इसके साथ ही मां मुंडेश्वरी मंदिर में एक प्राचीन पंचमुखी शिवलिंग की मूर्ति भी है, जो दिन में तीन बार अपना रंग बदलती है। लोगों का कहना है कि यहां देखते ही देखते कब शिवलिंग अपना रंग बदल लेता है इसका पता भी नहीं चल पाता।

सालों तक पहाड़ों पर अकेली रही भेड़, नहीं था कोई संगी-साथी, अब बनी दो बच्चों की मां !

ब्रिटेन की सबसे अकेली भेड़, जिसे दुनिया 'फियोना' के नाम से जानती है, की कहानी दिल छू लेने वाली है। साल 2023 में स्कॉटिश हाईलैंड्स के क्रोमार्टी फर्थ के पास एक खड़ी चट्टान के नीचे फंसी हुई ये भेड़ सालों से अकेली जी रही थी। कोई साथी नहीं, कोई झुंड नहीं। सिर्फ चट्टानों के बीच पत्थरों वाली पट्टी पर अकेली खड़ी भेड़। उसकी ऊन इतनी लंबी हो गई थी कि वो मुश्किल से चल पाती थी। भूख, प्यास और अकेलेपन से जूझती ये भेड़ 2021 में पहली बार एक कयाकर जिल टर्नर की नजरों में आई, लेकिन तब लगा कि शायद वो खुद ऊपर चढ़ जाएगी। दो साल बाद 2023 में जब फिर वही जगह पर दिखी, तो दुनिया भर में हलचल मच गई। इसके बाद उसके रेस्क्यू की कहानी काफी चर्चा में रही थी। सोशल मीडिया पर 'ब्रिटेन की सबसे अकेली भेड़' के नाम से वो वायरल हो गई थी। उसका रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद मुश्किल था। स्थानीय किसानों, शीप शीयरर कैमी विल्सन और अन्य लोगों ने मिलकर 3 नवंबर 2023 को उसे बचाया था। चट्टान से नीचे उतरना, उसे उठाना और सुरक्षित जगह ले जानाङ्क सब कुछ जोखिम भरा था। रेस्क्यू के बाद फियोना की ऊन काटी गई, जो इतनी भारी थी कि कई किलो की हो गई थी। उसके बाद उसे डंब्रीज़ के पास डल्सकोन फार्म पार्क में ले जाया गया, जहां फार्मर बेन बेस्ट ने उसकी देखभाल की। फियोना को नाम 'प्रिंसेस फियोना' से प्रेरित होकर दिया गया, जो श्रेक फिल्म का किरदार है। फार्म पर आने के बाद फियोना को दूसरे जानवरों से जुड़ने में मुश्किल हुई। वो अकेलेपन की आदत से बाहर नहीं निकल पा रही थी। लेकिन फार्मर ने धैर्य से उसकी देखभाल की। पिछले साल फैसला लिया गया कि अब वो मां बनने के लिए तैयार है क्योंकि उम्र ज्यादा होने पर इंतजार जोखिम भरा होता। और फिर खुशखबरी आई। फियोना ने पहली बार दो जुड़वां बच्चों को जन्म दिया- एक नर और एक मादा। फार्म ने घोषणा की कि फियोना अब 'वर्ल्ड्स बेस्ट मम' बन गई है। बच्चों के नाम भी श्रेक थीम पर रखे गए है- फेलिसिया और फर्गस दोनों स्वस्थ हैं, बड़े-बड़े और फार्म के इस सीजन के सबसे मजबूत लैंब्स में से हैं।

दिल्ली में नौ मौतों के मातम पर सियासी कोहराम

केजरीवाल और भारद्वाज पीड़ित परिवार से मिले

» आप ने भाजपा सरकार को घेरा

» व्यवस्था की लापरवाही ने सब कुछ छीन लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आग से 9 मौतों के मातम पर सियासी कोहराम मच गया है। आप ने भाजपा की रेखा सरकार को आड़े हाथों लिया है। अरविंद केजरीवाल और आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पालम में हुई आगजनी में अपने नौ सदस्यों को खोने वाले शोक संतप्त परिवार से बातचीत की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे पता चला कि जब फायर ब्रिगेड यहां पहुंची, तो उनकी सीढ़ियां काम नहीं कर रही थीं। अगर फायर ब्रिगेड ने समय पर कार्रवाई की होती, तो शायद कई जानें बचाई जा सकती थीं।

वहीं, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम में भीषण आग में नौ लोगों की जान जाने के एक दिन बाद, एक शोकाकुल पिता बृहस्पतिवार को अपने जले हुए घर में वापस लौटा और आरोप लगाया कि व्यवस्था की लापरवाही ने उससे वह सब कुछ छीन लिया जो उसे प्रिय था। राजेंद्र कश्यप इस भीषण आग में अपने परिवार के नौ सदस्यों को खो चुके हैं। वह मौजूदा जांच के हिस्से के तहत पुलिस और एफएसएल की टीम के साथ राम चौक बाजार के पास स्थित बुरी तरह क्षतिग्रस्त इमारत में दाखिल हुए। घर से बाहर निकलते ही वह गहरे दुख से भाव-विह्वल हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए कहा, कि यह व्यवस्था की विफलता है। अगर समय पर कार्रवाई हुई होती, तो मेरा परिवार आज जीवित होता।' पालम मेट्रो स्टेशन के पास भीड़भाड़ वाली एक गली में स्थित चार मंजिला इमारत के तहखाने, भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन का व्यवसाय चलता था, जबकि परिवार ऊपरी मंजिलों पर रहता था।

भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने गुंडागर्दी की : केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि मैं यहां शोक संतप्त परिवार से मिलने आया था। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने गुंडागर्दी की। एक परिवार ने अपने 9 सदस्यों को खो दिया, उनके प्रति सहानुभूति जताने के बजाय, उन्होंने गुंडागर्दी शुरू कर दी है। भाजपा को इतना नीचे गिरते देखकर मुझे बहुत दुख हुआ है। वे लोगों को शोक संतप्त परिवार से मिलने नहीं दे रहे हैं। उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। यह बहुत दुखद है।

केजरीवाल व सिसोदिया को हाईकोर्ट से मिली राहत, 2 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य को ईडी की उस याचिका पर जवाब देने के लिए समय दिया, जिसमें आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में सभी को बरी करते समय विशेष न्यायालय द्वारा की गई कुछ प्रतिकूल टिप्पणियों को हटाने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सभी आरोपियों को उनके वकीलों के अनुरोध पर समय दिया। ईडी की ओर से सहायक सरकारी वकील एसवी राजू और विशेष वकील जोहेब हुसैन उपस्थित हुए। शुरुआत में अभियुक्तों के वकील ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। इस पर हुसैन ने कहा कि उनके जवाब मंगवाने की कोई आवश्यकता नहीं है और सभी अभियुक्तों को याचिका की प्रति विधिवत रूप से दी जा चुकी है। राजू ने कहा कि अभियुक्त केवल कार्यवाही में देरी करना चाहते हैं और यदि एजेंसी के पक्ष में कोई आदेश पारित होता है तो उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। न्यायाधीश ने प्रतिवादियों के वकील से कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा। एक तरफ अभियोजन पक्ष कह रहा है कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर फैसला सुनाया है। मैंने उन्हें बताया था कि मैं भी ऐसी टिप्पणियां करता हूं। मेरा मानना था कि मुझे यह तय करना होगा कि न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर फैसला सुनाया है या नहीं। आप ने कहा था कि आप जवाब दाखिल करेंगे। अब आप कह रहे हैं कि आपको 600 पन्ने पढ़ने हैं। आपको एक और हफ्ता चाहिए, तो ले लीजिए। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में जब मामले पर सुनवाई हुई तो अदालत ने केजरीवाल और अन्य को ईडी की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया।

केवल बातें करने वाले सीएम को बदलने का समय आ गया : गोगोई

» कांग्रेस और रायजोर दल आए साथ, भाजपा को मिलेगी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनावों की तारीखों के एलान के साथ ही राज्य की राजनीति में सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। लंबे समय से चल रही अटकलों को खत्म करते हुए, कांग्रेस और रायजोर दल ने आधिकारिक तौर पर गठबंधन समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जोरहाट में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के आवास पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस ऐतिहासिक साझेदारी को अंतिम रूप दिया गया। रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई ने इस गठबंधन को जोरहाट की जनता के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि एक ऐसे मुख्यमंत्री को बदला जाए जो केवल बातें करता है, और उसकी जगह एक सक्षम नेता को लाया जाए।

इसके लिए, जनता को अपने वोटों के माध्यम से एक बड़ी जीत सुनिश्चित करनी होगी। जैसे-जैसे असम विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, राजनीतिक घटनाक्रमों में तेज़ी आ गई है, असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने एक व्यापक विपक्षी गठबंधन बनाने के प्रयासों को दोहराया है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने चुनावों के लिए 88 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। गोगोई ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विपक्षी गठबंधन का विस्तार करने के लिए रायजोर दल के साथ बातचीत चल रही है, ताकि इसे मौजूदा पांच-दलीय समझ से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन में वर्तमान में असम जातीय परिषद , मार्क्सवादी, मार्क्सवादी-लेनिनवादी और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ स्वयं कांग्रेस भी शामिल है। इसके साथ ही, उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ विपक्षी ताकतों को एकजुट करने की तात्कालिकता पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा हम इस विपक्षी गठबंधन का विस्तार करना चाहते हैं, और इसलिए, हम एक अन्य दल, रायजोर दल के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम आशान्वित हैं।

कांग्रेस तमिलनाडु में जल्द अपना घोषणापत्र जारी करेगी : कार्ति

» घोषणापत्र समिति की बैठक आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने कहा कि पार्टी आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए जल्द ही अपना घोषणापत्र जारी करेगी, जहां वह डीएमके के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी घोषणापत्र का एक संक्षिप्त संस्करण तैयार करने की योजना बना रही है जो एक पोस्टकार्ड पर आसानी से आ सके। चिदंबरम ने पार्टी की घोषणापत्र समिति की बैठक की अध्यक्षता की और दस्तावेज़ को तमिलनाडु की जनता के मन को मोह लेने वाला और अगले पांच वर्षों के लिए एक खाका के रूप में प्रस्तुत करने वाला बताया। चिदंबरम ने कहा कि हमारी पहली बैठक हुई, एक प्रारंभिक बैठक, एक खुली और स्पष्ट बैठक।

हम एक घोषणापत्र तैयार करेंगे, और हम घोषणापत्र का एक संक्षिप्त संस्करण भी तैयार करेंगे, जिसे मैं केवल एक पोस्टकार्ड में समाहित करना चाहता हूं, जो तमिलनाडु की जनता के मन को मोह लेगा और कांग्रेस पार्टी के लिए अगले पांच वर्षों में प्रमुख बिंदुओं को उजागर करने के लिए एक खाका भी होगा। इससे पहले उसी दिन, कांग्रेस नेता लक्ष्मी रामचंद्रन ने बताया कि चुनाव घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसमें जनता की चिंताओं को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज हमारी घोषणापत्र समिति की बैठक हुई।

भाजपा के इशारे पर काम कर रहा चुनाव आयोग

» सीएम ममता बोलीं- बंगाल में अघोषित इमरजेंसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव की घोषणा के बाद से ही सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा व टीएमसी एक दूसरे पर हमलावर हैं। ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल को अनुचित रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले ही शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। बनर्जी ने इस कदम को राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया और चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयां संस्थागत निष्पक्षता को कमजोर करती हैं और राज्य में चुनावों के संचालन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं।

पॉल ने टीएमसी और वामपंथियों दोनों की आलोचना करते हुए उन पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रयासों के बावजूद, अल्पसंख्यक समुदायों को कोई वास्तविक विकास नहीं मिला, बल्कि उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। ये टिप्पणियां चुनावों से पहले पार्टियों के बीच बढ़ते जुबानी जंग को और हवा देती हैं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि सूचना एवं आईबी, एसटीएफ और सीआईडी जैसी प्रमुख एजेंसियों को चुनिंदा तबादलों के जरिए कमजोर किया जा रहा है, जिसे उन्होंने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को पंगु बनाने का जानबूझकर किया गया प्रयास बताया। उन्होंने पारदर्शिता को लेकर चिंता जताते हुए पूरक मतदाता सूचियों के प्रकाशन में देरी पर भी सवाल उठाए। स्थिति को अघोषित आपातकाल बताते हुए उन्होंने भाजपा पर संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि बंगाल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास का विरोध करेगा।

एसआईआर में बाधा डाल रही टीएमसी : अग्निमित्रा पॉल

भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के लिए डेटा प्रबंधन अधिकारियों की मांग की थी, लेकिन ममता बनर्जी सरकार ने सहयोग करने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से राज्य में चुनावी तैयारियों में बाधा उत्पन्न हुई। पॉल की ये टिप्पणियां पश्चिम बंगाल में चुनाव संचालन और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं।

आईपीएल से पहले पंजाब-राजस्थान को झटका

» शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे फर्ग्यूसन, करन भी हो सकते हैं बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी। इससे पहले पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की चिंताएं बढ़ गई हैं। दरअसल, पंजाब के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन आगामी टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। वहीं, राजस्थान के सैम करन ग्रोइन इंजरी की आशंका के चलते इस सीजन से बाहर हो सकते हैं। करन को राजस्थान ने चेन्नई सुपर किंग्स से ट्रेड करते हुए टीम में शामिल किया है। फर्ग्यूसन, जो हाल ही में पिता बने हैं, टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में पंजाब किंग्स और सर्दियों के दौरों के लिए न्यूजीलैंड टीम से जुड़ने से पहले अपने परिवार के साथ समय बिताने को प्राथमिकता देंगे।

फर्ग्यूसन ने कहा, अभी-अभी मेरा एक छोटा बेटा हुआ है, इसलिए मैं घर पर जितना हो सके उतना समय बिताने और अपनी पत्नी की मदद करने की कोशिश कर रहा हूं। इसके बाद मुझे कुछ हफ्तों का ब्रेक मिलेगा, जिसके बाद मैं आईपीएल के आखिरी दौर के लिए और फिर सर्दियों में बाहर खेलने के लिए जाऊंगा। वहीं इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन ग्रोइन इंजरी की आशंका के चलते इस सीजन से बाहर हो सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स को सैम करन की इस सीजन सुविधाएं नहीं मिल सकेंगी। 27 साल के करन पहली बार राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले थे। पिछले साल नवंबर में फ्रेंचाइजी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ एक ट्रेड के जरिए उन्हें खरीदा था। चेन्नई सुपर किंग्स ने करन और भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को राजस्थान को दे दिया, जिसके बदले में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को लिया था। संजू सैमसन हाल ही में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे।

चेन्नई को भी लगा तगड़ा झटका, नाथन एलिस चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को तगड़ा झटका लगा है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सीएसके के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि एलिस चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा, हां वह बाहर हो गए हैं। हमने अभी तक उनके रिप्लेसमेंट पर फैसला नहीं किया है। मथीषा पथिराना की गैरमौजूदगी में एलिस से उम्मीद थी कि वह चेन्नई के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। हालांकि, अब वह भी बाहर हो गए हैं। एलिस ने आईपीएल में अब तक 17 मैचों में 19 विकेट लिए हैं। उन्हें 2025 के मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और 2026 सीजन से पहले रिटेन भी किया गया था। इससे पहले वह चार सीजन तक पंजाब किंग्स का हिस्सा रहे थे। अब तक सीएसके ने उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है।

लखनऊ में सुबह-सुबह छाया अंधेरा, तेज हवाएं चलीं, गरज-चमक के साथ तेज बारिश

» पूरी यूपी में अचानक बदला मौसम का मिजाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह मौसम अचानक बदल गया। राजधानी लखनऊ में सुबह से सुबह अंधेरा छा गया उसके बाद तेज बारिश से पूरा क्षेत्र पानी-पानी हो गया। कई जिलों में तेज हवाओं व गरज-चमक के साथ बारिश हुई। सुबह करीब 10 बजे सूर्यास्त जैसा माहौल हो गया और बारिश होने लगी।

इस दौरान ऑफिस जा रहे लोग फ्लाईओवर के नीचे शरण लेते हुए नजर आए। मौसम विभाग ने प्रदेश के 27 जिलों में ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की है। इसके पहले प्रदेश के पश्चिमी जिलों में बुधवार की शाम से लेकर बृहस्पतिवार को दिन में तेज झोंकेदार हवाओं और गरज चमक के साथ बारिश देखने को मिली। दिल्ली से सटे जिलों और पश्चिमी इलाकों में आंधी, गरज-चमक और बारिश ने माहौल ठंडा कर दिया। तेज झोंकों के साथ हुई बारिश ने जहां गर्मी से राहत दी, वहीं कई जगहों पर मौसम का मिजाज तूफानी बना रहा। विक्षोभ के असर से मथुरा में सबसे तेज 87 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। नोएडा में 59 किमी, जबकि आगरा और बुलंदशहर में 57 किमी प्रति घंटे की रफ्तार दर्ज की गई। बारिश में बागपत और बुलंदशहर आगे रहे, जहां करीब 6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, के मुताबिक शुक्र वार को पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्यांचल और बुंदेलखंड समेत लगभग पूरे प्रदेश में तेज हवाओं और गरज-चमक का असर रहेगा। करीब 27 जिलों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

खेती को नुकसान

बेमौसम बारिश और तेज हवा से गेहूं की फसल को सबसे ज्यादा नुकसान है, क्योंकि यह फसल पकने के कगार पर है और हवा से गिर रही है।इसके साथ ही सरसों, मटर, आलू और आम के बौर (मंजरी) को भी भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। यह बारिश फसल की गुणवत्ता को खराब कर रही है। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से मौसम साफ हो जाएगा।

उन्नाव में बिजली गिरने से दो युवक झुलसे

उन्नाव के असोहा क्षेत्र के गांव कांथा निवासी कुलदीप व साहिल मंगतखेड़ा-कांथा मार्ग पर गांव के बाहर शुक्रवार सुबह लगभग नौ बजे किसी कार्य से गए थे। तभी बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनों झुलस गए। स्वजन दोनों को लेकर सीएचसी नवाबगंज गए। वहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

भाजपा दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा भड़काना चाहती है : राहुल

बोले नेता प्रतिपक्ष- देश के मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश हो रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर एकबार फिर तीखा प्रहार किया है। रायबरेली के सांसद ने उत्तम नगर हिंसा मामले में भाजपा पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे देश के मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश बताया है।

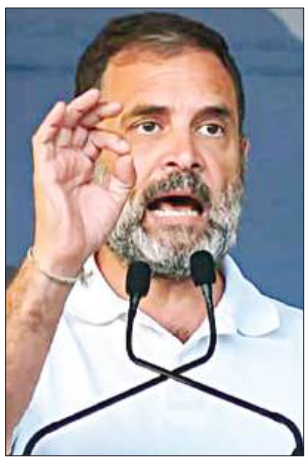

इस घटना में तरुण नामक युवक की मौत के बाद, तनाव के मद्देनजर दिल्ली हाईकोर्ट में ईद से पहले पुलिस सुरक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का आरोप लगाया और दिल्लीवासियों से उकसावे का जवाब न देने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है - एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए। खून-खराबा केवल बीजेपी और उसका इकोसिस्टम चाहता है, जो नफ़रत के तवे पर हिंसा की रोटी सेंकने के हर मौके का फायदा उठाता है।

रेवंत रेड्डी बने रेवंतुद्दीन : शहजाद पूनावाला

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तेलंगाना सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि सरकार ईद के मौके पर मुस्लिम परिवारों को उपहार बांटकर हिंदुओं के साथ भेदभाव कर रही है, जबकि हिंदुओं को उनके त्योहारों के दौरान इसी तरह के लाभ नहीं दे रही है। इस मुद्दे पर बोलते हुए पूनावाला ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को ईद के तोहफे बांटने के लिए सरकारी खजाने खोलने पर रेवंतुद्दीन का नाम दिया। उन्होंने सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि आजकल रेवंत रेड्डी की बातें 'रेवंतुद्दीन' जैसी लग रही हैं। पूनावाला ने कहा कि उन्होंने पहले भी कहा है कि कांग्रेस का मतलब मुसलमान है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप सरकारी खजाने खोलकर लाखों मुस्लिम परिवारों को ईद का तोहफा दें, लेकिन हिंदू परिवारों के लिए ऐसा कुछ न करें। हिंदू त्योहारों के एक साथ पड़ने का जिक्र करते हुए पूनावाला ने कहा कि आज हिंदू नव वर्ष, उगादी, नवरोज, गुड़ी पड़वा है। कई हिंदू त्योहार हैं। हिंदुओं के लिए क्यों नहीं? आप लगातार भेदभाव कर रहे हैं।

बीजेपी चाहती है देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे

राहुल गांधी ने आगे लिखा कि वो चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग यह न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर हैं - इसीलिए, दिन-दहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किए जा रहे हैं। दिल्लीवासियों से अनुरोध है किसी बहकावे में न आएं - देश की शक्ति हमारी एकता, भाईचारे और मोहब्बत में है। जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो।

दिल्ली उच्च न्यायालय में होगी सुनवाई

इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय ने हालिया सांप्रदायिक तनाव के बाद हिंसा की आशंकाओं के मद्देनज़र ईद से पहले उत्तम नगर में पुलिस सुरक्षा की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित की है। एक याचिका जनहित याचिका है, जबकि दूसरी याचिका में दिल्ली पुलिस को कथित तौर पर एक अभ्यावेदन दिए जाने के बाद निवारक उपायों की मांग की गई है, हालांकि अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दोनों याचिकाओं में हिंसा की कथित धमकियों को लेकर चिंता व्यक्त की गई है।

राहुल गांधी की नागरिकता पर पेश हुए केंद्र के अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में राहुल गांधी के नागरिकता विवाद मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई शुरू होते ही केंद्र सरकार की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता एसबी पाण्डेय ने न्यायालय से अनुरोध किया कि यह सुनवाई खुले कोर्ट में न की जाए क्योंकि गृह मंत्रालय से आए दस्तावेज काफी गोपनीय प्रकृति के हैं। इस पर न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर, मामले की सुनवाई चैंबर में की।

» कहा- खुले में सुनवाई करना उचित नहीं

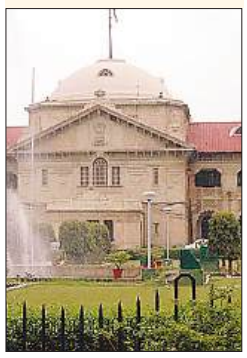

सुनवायी के बाद पारित आदेश के अनुसार गृह मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी विवेक मिश्रा व सहायक सेक्शन ऑफिसर प्रणव राय संबंधित रिकॉर्ड के साथ उपस्थित हुए। रिकॉर्ड का न्यायालय ने अवलोकन करने के बाद उसे अंडर सेक्रेटरी को वापस कर दिया। हाईकोर्ट ने याची एस विग्नेश शिशिर को केंद्र सरकार को मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति दी है। मामले की अगली सुनवायी 6 अप्रैल को होगी। गौरतलब है है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की है।

याची ने लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की है। याची ने गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, आफिसियल सीक्रे ट एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में गंभीर आरोप लगाये हैं।

कोर्ट ने लगाई एनडीआरएफ व एसडीआरएफ को फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि यदि समय पर राहत मिलती तो युवराज की जान बचाई जा सकती थी, लेकिन सिस्टम की लापरवाही और बचाव में देरी घातक साबित हुई।

कोर्ट ने मामले में सभी संबंधित एजेंसियों से जवाब मांगा है। हाई कोर्ट ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की भूमिका पर सवाल उठाए और जानना चाहा कि हादसे के समय मौके पर जिम्मेदार अधिकारी क्यों मौजूद नहीं थे। कोर्ट ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे जल्द जवाब दाखिल करें। साथ ही कोर्ट ने स्थानीय प्रशासन और नोएडा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर भी टिप्पणी की। जांच में सामने आया कि कई स्तरों पर गंभीर चूक हुई, जिसके कारण राहत और बचाव कार्य समय पर नहीं हो सके। कोर्ट ने पूछा कि आखिर ऐसी क्या वजह रही कि घंटों तक मदद की गुहार लगाने के बावजूद युवराज को बचाया नहीं जा सका। कोर्ट ने यह भी देखा कि बचाव टीमों को ऐसी परिस्थितियों के लिए क्या ट्रेनिंग दी गई थी और मौके पर कौन अधिकारी मौजूद थे।

धामी कैबिनेट का हुआ विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। धामी मंत्रिमंडल में पांच नए मंत्रियों की ताजपोशी की गई। राजपुर विधायक खजान दास, भरत सिंह चौधरी, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा और राम सिंह केड़ा ने आज धामी मंत्रिमंडल में मंत्रिपद की शपथ ली। प्रदेश में लंबे समय से कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं थी, जिन पर आज विराम लगा।

आज नवरात्र के दूसरे दिन शुक्रवार को लोकभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने सबसे पहले राजपुर विधायक खजान दास को शपथ दिलाई। इसके बाद भरत सिंह चौधरी ने संस्कृत में शपथ ली। फिर विधायक मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा और राम सिंह केड़ा ने भी मंत्रिपद की शपथ ली।

एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश की सभी एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्रों से बचने और सुरक्षा जोखिम आकलन के बाद आकस्मिक योजनाएं तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

डीजीसीए ने जारी की एडवाइजरी

यह कदम यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इससे पहले, डीजीसीए ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के मद्देनजर एअर इंडिया को फ्लाइट ड्यूटी मानकों में अस्थायी छूट देने का फैसला किया था। ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण एअर इंडिया को लंबे वैकल्पिक उड़ान मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिससे उड़ान का समय बढ़ गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीजीसीए ने हालात सामान्य होने तक एअर इंडिया को यह अस्थायी राहत दी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बुधवार को बताया कि सरकार पश्चिम एशिया क्षेत्र की यात्रा को सुगम बनाने के लिए लगातार प्रयास और संवाद कर रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, यूरोप और अमेरिका जाने के लिए एक महत्वपूर्ण हवाई मार्ग है और इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। नायडू ने कहा, हम शुरुआत से ही एयरलाइंस के साथ संपर्क में हैं क्योंकि हमारी प्राथमिकता है कि उनकी सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**